pan>

Title: Need to give compensation to farmers for damaged rabi crops in Eastern Uttar Pradesh.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से यहां से बोलना चाहता हूँ। मेरे संसदीय क्षेत्र संदौली तथा पड़ोस के वाराणसी, गाजीपुर, मिर्जापुर ऐसे तमाम पूर्वांचल के जिलों में रबी की फसल में आपदा राहत घोषित हुई, वह मात्र 15 से 18 पर्सेंट ही वितरत हो पाई है। उस वितरण में भी राज्य सरकार के अधिकारियों ने, हमारे पूरब में एक कहावत कही जाती है कि अंधा बांटे रेवड़ी, अपना पहचान-पहचान कर दे, उस तरह उन्होंने रूलिंग पार्टी सपा के लोगों के कहने पर कुछ खास किसानों को दिया, शेष किसान आज तक वंचित हैं। मान्यवर, स्थिति यह है कि माननीय मोदी जी की सरकार ने किसानों के बारे में इतने अच्छे फैसले किए हैं, लेकिन राज्य सरकार के उपेक्षात्मक रवैये से वे फैसले क्रियान्वित नहीं हो रहे हैं। उनके सर्वे हो चुके हैं, लेकिन उन्हें पूरी राहत नहीं दी जा रही है। कभी कहते हैं कि पैसा नहीं है, कभी कहते हैं कि यहां से नहीं है, जब कि भारत सरकार ने पैसा भी दिया है, उन्हें यह अधिकार भी दिया है कि राज्य आकस्मिक निधि से आप खर्च कीजिए, हम उसकी प्रतिपूर्ति करने को तैयार हैं, लेकिन वे कर नहीं रहे हैं, किसान पीड़ित हैं। मान्यवर, मेरा आपसे निवेदन है कि जितनी फसल नष्ट हुई हो, उनका मुआवज़ा दिया जाए और केंद्र सरकार से मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि राज्य सरकार के उपेक्षात्मक रवैये से उत्तर प्रदेश के किसानों को बचाया जाए तथा उनको राहत और मदद दी जाए।

HON. CHAIRPERSON:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Shri Bhairon Prasad Mishra are permitted to associate with the issue raised by Shri Mahendra Nath Pandey.